उत्तर आधुनिकतावाद

1.वस्तुतः सोस्यूर का 'संरचनावाद' और ज्यांक दरोदा का 'विखंडनवाद' इन दोनों से मिलकर उत्तर आधुनिकतावाद की अवधारणा निर्मित हुई |

2. उत्तर आधुनिकतावाद के प्रवक्ता फ्रांसीसी विद्वान 'फ्रांसुआ ल्योतोर' माने जाते हैं |

3. उत्तर आधुनिकतावाद की अवधारणा को प्रतिष्ठित करने में ल्योतोर के अतिरिक्त पॉल डी- मान, नीत्शे, फूको और ज्यांक दरोदा के नाम प्रमुख है |

4. डॉ नवल किशोर के अनुसार, " जिसे पश्चिमी कला जगत में उत्तर आधुनिकता कहा जाता है, उसका एक लक्षण 'विचारधारा निरपेक्षता' भी है | विचारधारा की शून्यता में धार्मिक कट्टरता, भाषावाद, उग्र राष्ट्रवाद, नस्लवाद आदि विभेदक विश्वासों को मुक्ताकाश मिल जाता है |

5. भारत में अभी तक पूरी तरह से आधुनिकतावाद की प्रतिष्ठा नहीं हो पाई है, अतः उत्तर आधुनिकतावाद का चिंतन अप्रासंगिक है |